भारतीय इतिहास में हुए प्रमुख सामाजिक व धार्मिक सुधार आंदोलन

samanyagyan.com/hindi/gk-social-and-religious-movements-of-indian-history

भारत में हुए प्रमुख सामाजिक व धार्मिक सुधार आंदोलन (Social and Religious Movements of India in Hindi)

भारतीय इतिहास में 19वीं सदी को धार्मिक एवं सामाजिक पुनर्जागिरण की सदी माना गया है। इस समय ईस्ट इण्डिया कम्पनी की पाश्चात्य शिक्षा पद्धति से आधुनिक तत्कालीन युवा मन चिन्तनशील हो उठा, तरुण व वृद्ध सभी इस विषय पर सोचने के लिए मजबूर हुए। यद्यपि कम्पनी ने भारत के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप के प्रति संयम की नीति का पालन किया, लेकिन ऐसा उसने अपने राजनीतिक हित के लिए किया। पाश्चात्य शिक्षा से प्रभावित लोगों ने हिन्दू सामाजिक रचना, धर्म, रीति-रिवाज व परम्पराओं को तर्क की कसौटी पर कसना आरम्भ कर दिया। इससे सामाजिक व धार्मिक आन्दोलन का जन्म हुआ।

अंग्रेज़ हुकूमत में सदियों की रूढ़ियों से जर्जर एवं अंधविश्वास से ग्रस्त औद्योगिकी नगर कलकत्ता, मुम्बई, कानपुर, लाहौर एवं मद्रास में साम्यवाद का प्रभाव कुछ अधिक रहा। भारतीय समाज को पुनर्जीवन प्रदान करने का प्रयत्न प्रबुद्ध भारतीय सामाजिक एवं धार्मिक सुधारकों, सुधारवादी ब्रिटिश गवर्नर-जनरलों एवं पाश्चात्य शिक्षा के प्रसार ने किया।

भारत में धार्मिक सुधार आंदोलन के प्रमुख कारण

1. **कर्मकाण्डों की प्रधानता:-** वैदिक काल के जिन ऋषि-मुनियों ने पुनीत हिन्दू धर्म की स्थापना की थी, वह अत्यंत सरल, आडंबर मुक्त तथा जतिलताओं से काफी दूर था। लेकिन समय बीतने के साथ कर्म के स्थान पर जन्म को महत्व देने के कारण ब्राह्मणों ने अपने वर्चव को बढ़ाने के लिए हिन्दू धर्म में कर्मकाण्डों की प्रधानता को बढ़ा दिया जिस कारण बड़े -बड़े धार्मिक कार्यों को करने के लिए उन्होनें अधिक धन की मांग करनी शुरू कर दी जिस कारण सामान्य जनता तथा गरीब लोगो इनको नहीं करवा पाते थे और उनकी रूचि धीरे-धीरे करके हिन्दू धर्म में समाप्त होने लगी।
2. **आडंबरो और अंधविश्वास की उपस्थिती:-** हिन्दू धर्म में समय बीतने के साथ आडंबरो और अंधविश्वास की उत्पत्ति होनी शुरू हो गई। देवी-देवताओं को खुश करने के लिए पशुओं की बलि दी जानी शुरू कर दी गई, स्वर्ग व नर्क की अवधारणा की उत्पत्ति होनी शुरू हो गई थी तथा लोगो को नर्क की भयावय दृश्यो की व्याख्या कर लोगो को यज्ञ आदि करने के लिए प्रेरित किया जा रहा था।
3. **यज्ञों की बहुलता:-** हिन्दू धर्म में समय बीतने के साथ यज्ञों को अत्यधिक महत्व दिया जाने लगा था। यज्ञ के द्वारा अत्यधिक बारिश तथा ओला वृष्टि को रोका जा सकता इस प्रकार की विचारधाराओं के कारण यज्ञों का अधिक महत्व बढ़ने लगा। लोगो को उनकी पूर्वजों की आत्मा की शांति तथा यश व धन कमाने के लिए यज्ञों के महत्व दिया जाना शुरू कर दिया गया था।

आइये जानते है भारतीय इतिहास में हुए **प्रमुख सामाजिक एवं धार्मिक सुधारक आंदोलन को किसने और कब शुरू किया था**:-

भारत के प्रमुख सामाजिक एवं धार्मिक सुधारक आंदोलन व उन्हें शुरू करने वाले महान विचारको की सूची:

वर्ष	सामाजिक व धार्मिक सुधार आंदोलन	महान विचारको के नाम
1828	ब्रह्मा समाज	राजा राममोहन राय
1828	यंग बंगाल आंदोलन	हेनरी विवियन डेरोजियो
1867	प्रार्थना समाज	आत्माराम पांडुरंग
1875	आर्य समाज	दयानंद सरस्वती
1875	थियोसोफिकल सोसाइटी	मैडम ब्लावात्स्की एवं करनाल अल्काट
1875	अलीगढ आंदोलन	सैयद अहमद खान
1885	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	ए ओ ह्यूम
1889	अहमदिया आंदोलन	मिर्जा गुलाम अहमदिया
1897	रामकृष्ण मिशन	स्वामी विवेकानंद
1897	क्रांतिकारी राष्ट्रवाद	चापेकर बंधुओं
1905	बंगाल विभाजन	लार्ड कर्जन
1905	अभिनव भारत	वि. डी. सावरकर
1905	इंडिया हाउस	स्यामा जी कृष्ण वर्मा
1906	मुस्लिम लीग	नवाब सलीमुल्ला
1911	दिल्ली दरबार	जॉर्ज पंचम
1916	होमरूल आंदोलन	एनीबेसेण्ट और बाल गंगाधर तिलक
1916	साबरमती आश्रम	महात्मा गांधी
1919	रौलेट एक्ट	रौलेट समिति
1919	जलियाँवाला बाग़ हत्याकांड	जनरल डायर
1920	खिलाफत आंदोलन	महात्मा गांधी
1920	असहयोग आंदोलन	महात्मा गांधी
1922	चौरी चौरा हत्याकांड	–
1927	साइमन कमीशन	सर जॉन साइमन

1928	नेहरू रिपोर्ट	मोतीलाल नेहरू
1930	पूर्ण स्वराज की घोषणा	जवाहरलाल नेहरू
1930	सविनय अवज्ञा आंदोलन	महात्मा गांधी
1930	प्रथम गोलमेज सम्मलेन	–
1931	द्वितीय गोलमेज सम्मलेन	–
1932	तृतीय गोलमेज सम्मलेन	–
1932	साम्प्रदायिक निर्णय	रैम्जे मैकडोनाल्ड
1940	अगस्त प्रस्ताव	वायसराय लार्ड लिनलिथगो
1942	क्रिप्स प्रस्ताव	सर स्टेफर्ड क्रिप्स
1942	भारत छोडो आंदोलन	महात्मा गांधी
1944	राजगोपालाचारी फार्मूला	चक्रवर्ती राजगोपालाचारी
1945	वेवेल योजना	लार्ड वेवेल
1946	कैबिनेट मिशन	क्लीमेंट एटली मंत्रिमण्डल
1947	माउंटबेटन योजना	लॉर्ड माउन्ट बेटन
1948	एटली की घोषणा	–

इन्हें भी पढे: सन 1857 के भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के प्रमुख कारण और परिणाम

नीचे दिए गए प्रश्न और उत्तर प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं। यह भाग हमें सुझाव देता है कि सरकारी नौकरी की परीक्षाओं में किस प्रकार के प्रश्न पूछे जा सकते हैं। यह प्रश्नोत्तरी एसएससी (SSC), यूपीएससी (UPSC), रेलवे (Railway), बैंकिंग (Banking) तथा अन्य परीक्षाओं में भी लाभदायक है।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर (FAQs):

प्रश्न: असहयोग आंदोलन किसके द्वारा चलाया गया?

उत्तर: महात्मा गाँधी के द्वारा *(Exam - SSC STENO G-C Dec, 1996)*
प्रश्न: भारत में भक्ति आंदोलन के आग्रणी कौन थे?

उत्तर: शंकराचार्य *(Exam - SSC AG Jan, 1998)*
प्रश्न: भारत में गरमदलीय आंदोलन का पिता किसको कहा जाता है?

उत्तर: बाल गंगाधर तिलक को *(Exam - SSC CGL Jul, 1999)*

प्रश्न: प्रथम भक्ति आंदोलन का आयोजन किसने किया था?

उत्तर: रामानुजाचार्य *(Exam - SSC CML Oct, 1999)*
प्रश्न: किसी समय महात्मा गाँधी के सहयोगी रह चुके, पर उनसे अलग होकर एक आमूल परिवर्तनवादी आन्दोलन जिसका नाम 'आत्म-सम्मान आंदोलन' था, चलने वाले कौन थे?

उत्तर: ई० वी० राधास्वामी नायकर *(Exam - SSC CGL Feb, 2000)*
प्रश्न: किस आंदोलन में महात्मा गांधी ने भूख हड़ताल को एक हथियार के रूप में प्रयोग किया था?

उत्तर: 1918 की अहमदाबाद वाली हड़ताल *(Exam - SSC CGL Feb, 2000)*
प्रश्न: 'असहयोग आंदोलन' क्यों निलंबित किया गया था?

उत्तर: चौरी-चोरा में हुई हिंसक घटना के कारण *(Exam - SSC CML May, 2000)*
प्रश्न: 'माओ जी डांग' किस देश की साम्यवादी आंदोलन का नेता था?

उत्तर: चीन *(Exam - SSC CML May, 2000)*
प्रश्न: 'यंग बंगाल आंदोलन' के नेता कौन थे?

उत्तर: हेनरी विवियन डेरोजियो *(Exam - SSC CML May, 2000)*
प्रश्न: भूदान आंदोलन किसने प्रारंभ किया था?

उत्तर: विनोबा भावे *(Exam - SSC CML May, 2001)*

You just read: Bhartiya Itihaas Mein Hue Pramukh Saamaajik Va Dhaarmik Sudhaar Aandolanon Ki Suchi